सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 8 • अंकः 252 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 22 अक्टूबर, 2022

मैं महान और अच्छे काम करना चाहती हूं लेकिन यह मेरा परम कर्तव्य है कि मैं छोटे कामों को भी ऐसे करूं जैसे कि वो महान और नेक हों।
-हेलेन केलर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

पीके करते हैं बेकार की... 7 | मायावती ने मुस्लिम वोट के लिए... 3 | जनहित में काम कर रही भाजपा... 2

दिवाली पर घर लौट रहे यूपी के 15 श्रमिकों की सड़क हादसे में मौत

आठ की हालत नाजुक, चालीस जख्मी ट्रॉले से टकराने पर हुई दुर्घटना

» पीएम मोदी व सीएम योगी ने जताया दुख, परिजनों को आर्थिक मदद का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के रीवा में देर रात बड़ा हादसा हुआ। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई जबकि 40 घायल हो गए। आठ की हालत नाजुक है। बस में श्रमिक सवार थे। सभी मरने वाले यूपी के निवासी बताए जा रहे हैं। ये दिवाली मनाने अपने घर लौट रहे थे। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताया है। केंद्र और राज्य सरकारों ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

शुक्रवार की देर रात यूपी पासिंग बस हैदराबाद से गोरखपुर जा रही थी। तभी आगे चल रहे ट्रेलर ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे पीछे चल रही बस सीधे ट्रॉले में जा घुसी। रीवा के सुहागी पहाड़ी के पास यह हादसा हुआ। बस में सभी श्रमिक सवार थे। हादसे में 15 लोगों की जान चली गई। कुछ कैबिन में फंस गए थे जिनको काफी मशक्कत के बाद निकाला गया। रीवा पुलिस अक्षीक्षक नवनीत भसीन ने कहा है कि 15 लोगों की मौत हुई है। सभी लोग उत्तर प्रदेश के बताए जा रहे हैं। बस हैदराबाद से गोरखपुर जा रही थी। 40 घायलों में से 20 को प्रयागराज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल यात्रियों को उपचार कराकर रात में दूसरे बसों से प्रयागराज भेजा गया। बस में 80 से अधिक यात्री सवार थे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात की। हादसे में मृतकों के परिवारजनों को एक लाख रुपए और घायलों को 10 हजार की सहायता राशि मध्य प्रदेश सरकार देगी। हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि दिवंगतों के परिजनों को दो-दो लाख व गंभीर घायलों को 50-50 हजार की सहायता दी जाएगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये दिए जाएंगे, वहीं घायलों को 50,000 रुपये की मदद की जाएगी।

हैदराबाद से गोरखपुर आ रही थी बस, मध्य प्रदेश के रीवा में हादसा

पीएम मोदी ने किया रोजगार मेले का आगाज, कहा

भारत बन रहा आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था में लगाई छलांग

» 75 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र
» स्टार्टअप के जरिए युवाओं ने दिखाया सामर्थ्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज युवाओं को दिवाली गिफ्ट दिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दस लाख कर्मियों की भर्ती के लिए रोजगार मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर 75 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। उन्होंने कहा कि आज भारत कई मायनों में आत्मनिर्भर बन रहा है। एक आयातक से भारत निर्यातक की भूमिका में आ रहा है। अनेक सेक्टर में भारत ग्लोबल हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा हैं। स्टार्टअप इंडिया अभियान ने तो देश के युवाओं के सामर्थ्य को पूरी दुनिया में स्थापित कर दिया है। 2014 तक जहां देश में कुछ स्टार्टअप थे, आज ये संख्या 80 हजार से अधिक हो चुकी है। आज भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। 7-8 साल के भीतर हमने 10वें नंबर से 5वें नंबर तक की छलांग लगाई है।

उन्होंने कहा कि आज हमारा सबसे अधिक बल युवाओं के कौशल विकास पर है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत देश के उद्योगों की जरूरतों के हिसाब से युवाओं को ट्रेनिंग देने का बहुत बड़ा अभियान चल रहा है। रोजगार निर्माण का बड़ा उदाहरण हमारी खादी और ग्रामोद्योग हैं। देश में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग, एक लाख करोड़ से अधिक का हो चुका है। स्थानीय स्तर पर युवाओं के लिए रोजगार के लाखों अवसर बन रहे हैं। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हो रहे ये सारे कार्य टूरिज्म सेक्टर को नई ऊर्जा दे रहे हैं। आस्था, आध्यात्म, ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को भी देशभर में विकसित किया जा रहा है। रोजगार के नए मौके बन रहे हैं। आने वाले महीनों में इसी तरह लाखों युवाओं को भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। आज अगर केंद्र सरकार के विभागों में इतनी तत्परता, इतनी क्षमता आई है, इसके पीछे 7-8 साल की कड़ी मेहनत है।

कांग्रेस ने कसा तंज

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी के रोजगार मेले पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष 2करोड़ नौकरियां देने का वायदा था और देश को 47 साल की सबसे बड़ी बेरोजगारी पर लाकर खड़ा कर दिया। अपने चंद उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के चक्कर में देश को बेरोजगारी के चरम पर पहुंचा दिया।

राहुल आएंगे दिल्ली संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी

» कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद हलचल तेज, नई टीम चुनेंगे खड़गे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के बाद पार्टी में अब पदों के लिए चहलकदमी तेज हो गई है। नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 26 अक्टूबर को औपचारिक रूप से पद संभालेंगे। इसके साथ ही वह कांग्रेस में संगठन स्तर पर बड़े बदलाव की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर पार्टी की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पद संभालने के बाद खड़गे कांग्रेस वर्किंग कमेटी समेत कई विभागों में सुधार करेंगे। इसके अलावा वरिष्ठ नेता महासचिवों और सचिव समेत ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में नई टीम चुनेंगे। अब एआईसीसी में महासचिव (संगठन) के लिए नेताओं ने गतिविधियां तेज कर दी है। फिलहाल, यह पद केसी वेणुगोपाल संभाल रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि अध्यक्ष के दक्षिण भारत से होने के चलते यह पोस्ट उत्तर भारतीय को दी जा सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि खड़गे इस साल के अंत तक एआईसीसी का पूर्ण सत्र बुला सकते हैं। खास बात है कि उस दौरान ही सीडब्ल्यूसी के चुनाव होने हैं, जिसमें 12 सदस्य चुने जाएंगे। एआईसीसी के लगभग 1400 सदस्य सीवीसी सदस्यों का चुनाव करेंगे। बताया जा रहा है कि भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर राहुल गांधी दिल्ली आने की तैयारी कर रहे हैं। वे खड़गे के पद संभालने के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

जनहित में काम कर रही भाजपा सरकार : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं पर जमकर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हरदोई में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेता पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस नेता के श्री कृष्ण पर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि जब विनाश काल आता है तब विवेक पहले ही मर जाता है । अब अगर भगवान श्री कृष्ण के द्वारा कुरुक्षेत्र में अर्जुन को गीता का उपदेश दिया गया और उस पर कांग्रेस का नेता कोई ऐसा उपदेश देश के सामने प्रकट कर रहा है तो मैं समझता हूं कि कांग्रेस अपने अंत की ओर है और ऐसे जो नेताओं के बयान हैं उस पर कांग्रेस के नए अध्यक्ष बने हैं उनको जवाब देना चाहिए।

सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बताना चाहिए कि इस पर उनके विचार क्या है। यह तो देश के भावनाओं को आहत करने वाली भाषा है। राहुल गांधी की कांग्रेस यात्रा और उनके बयान कि सिर्फ कांग्रेस पार्टी में लोकतंत्र है के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जो शीशे के घर में रहते हैं, उनपर शायद ऐसी भाषा शोभा नहीं देती है। राहुल गांधी से मेरा सिर्फ इतना ही कहना है कि उनकी जो अपनी कांग्रेस है वह उसको जोड़े

रखें। भारत जुड़ा है, जुड़ा था और जुड़ा रहेगा । लोकतंत्र की हत्या जिस पार्टी की सरकार द्वारा की गई उसके मुंह से लोकतंत्र की भाषा शोभा नहीं देती। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश में बीजेपी की सरकार है। डबल इंजन की सरकार लोक हित में काम कर रही है। नगर निकाय का चुनाव आने वाला है। ऐसे में निकाय चुनाव के बाद ट्रिपल इंजन की सरकार उत्तर प्रदेश में चलेगी और 2024 के चुनाव में 80 की 80 सीटें भारतीय जनता पार्टी जीत कर आयेगी।

अपराधी तारीफ करते रहें तब भी एक्शन नहीं रुकेगा

जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परियोजनाओं का उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोकार्पण किया। उन्होंने अतीक अहमद की ओर इशारा करते हुए कहा कि सरकार की तारीफ करने पर भी किसी अपराधी के खिलाफ कार्रवाई नहीं रुकेगी। अपराध के खिलाफ जंग जारी रहेगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि निकाय चुनावों में कमल खिलेगा। उसके बाद डबल इंजन की सरकार, ट्रिपल इंजन की सरकार बन जाएगी। कहा कि रज्जू भइया ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में तमाम स्वयं सेवकों को तैयार किया। उनके साथ मुझे काम करने का मौका मिला। अशोक सिंघल के बारे में कहा कि उन्होंने मां भारती की सेवा करते हुए पूरा जीवन समाज के लिए लगा दिया।

किसानों की आर्थिक उन्नति में लगी है सरकार : सूर्य प्रताप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकार ने रबी के समर्थन मूल्य में वृद्धि की है। साथ ही सरकार की किसानों की आर्थिक उन्नति व समृद्धि के कृतसंकल्प हैं यह बात प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने संभागीय कृषि शोध केंद्र परिसर में आयोजित दलहन व तिलहन मेले का शुभारंभ करते हुए कही। मंत्री द्वारा किसानों को चना मसूर व राई-सरसों की मिनी किट किसानों को वितरित की गईं। इससे पूर्व मंत्री ने राजकीय ऊसर प्रसार प्रक्षेत्र व विधायन संयत्र का निरीक्षण किया।

मेले में किसानों को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि जिन किसानों की फसल प्राकृतिक आपदा से नश्ट हो गई है और वह राई सरसों बोना चाहते हैं ऐसे किसानों को निशुल्क मिनी किट सभी विकास खंडों पर वितरित की जा रही है। रबी की सभी फसलों के लिए प्रमाणित बीज पचास प्रतिशत अनुदान पर राजकीय कृषि बीज भंडारों पर उपलब्ध हैं। उन्होंने किसानों से पराली न जलाने की अपील की। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। गौ-आश्रय स्थलों के नजदीक तथा गंगानदी के किनारे वाले ग्रामों में गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए सरकार किसानों को प्रशिक्षण दे रही हैं। इस मौके पर मंत्री द्वारा तीन सौ किसानों को बीजों की मिनी किट निशुल्क वितरित की गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही भाजपा सरकार : रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। पंचायत चुनाव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमे निरस्त करने की मांग को लेकर बहादराबाद थाने में कांग्रेसियों का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत के नेतृत्व में आयोजित धरने में कांग्रेसियों ने थाने के बाहर पशुओं को बांध दिया। पूर्व सीएम हरीश रावत और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य भी धरना स्थल पहुंचे। विधायकों का आरोप है कि पंचायत की मतगणना के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन पर दर्ज मुकदमे निरस्त करने की मांग की है।

मांग को लेकर हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत रात भर थाने में ही धरने पर कार्यकर्ताओं के साथ डटी रहीं। कलियर विधायक फुरकान अहमद ने कहा कि कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए लड़ाई जितनी भी लंबी चलेगी वह चलाएंगे। कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही है। कहा कि पंचायत चुनाव में हुई धांधली जगजाहिर है। वह अपनी लड़ाई लोकतंत्र की बहाली के लिए जारी रखेंगे।

भाजपा को नहीं देंगे वोट : त्यागी

गाजियाबाद। मेरठ में त्यागी भूमिहार समाज मोर्चा का धरना 58 दिन खत्म हो गया। अंतिम दिन श्रीकांत त्यागी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने सहयोग के लिए समाज के लोगों का धन्यवाद किया। त्यागी ने कहा कि उनके साथ जो कुछ हुआ, उसके लिए भाजपा के चार बड़े नेता जिम्मेदार हैं। उनकी राजनीतिक छवि धूमिल करने के लिए साजिश रची गई। अब दीपावली के बाद आगे की रणनीति समाज के साथ मिलकर तय की जाएगी। समाज जैसा कहेगा, वैसा ही करेंगे। उन्होंने चौधरी चरण सिंह पार्कमें स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन भी किया। उन्होंने कहा कि समाज ने उनका बुरे वक्त में साथ दिया है। वह भी समाज के साथ खड़े रहेंगे।

अजय मिश्र टेनी को झटका, अर्जी फिर खारिज

» प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में अब 10 नवंबर को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। बताया जा रहा है कि प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टेनी की केस ट्रांसफर की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। मामले में अंतिम सुनवाई अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में ही होगी। लखनऊ पीठ में अब 10 नवंबर को सुनवाई होगी।

इससे पहले टेनी के वकील ने कोर्ट को बताया था कि वर्तमान अपील के स्थानांतरण संबंधी उनकी विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) सुप्रीम कोर्ट में दायर है। लिहाजा मामले में आगे तारीख लगा दी जाए। मंत्री की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी पर सुनवाई के बाद ही राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई की गुजारिश

की गई थी। इसके मद्देनजर न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल की खंडपीठ ने मामले में अगली सुनवाई की तिथि 10 नवंबर को नियत कर दी। गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी के तिकुनिया थाना क्षेत्र में वर्ष 2000 में प्रभात गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अन्य अभियुक्तों के साथ-साथ अजय मिश्र उर्फ टेनी भी नामजद थे। मामले के विचारण के बाद लखीमपुर खीरी की एक सत्र अदालत ने अजय मिश्र व अन्य को पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में वर्ष 2004 में बरी कर दिया था।

श्री कृष्ण जन्मस्थान-ईदगाह मामले में बहस पूरी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-ईदगाह प्रकरण में मनीष यादव आदि द्वारा दायर वाद में ईदगाह कमेटी की सेवन रूल इलेवन पर बहस अदालत में पूरी हो गई। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 8 नवंबर की तिथि निर्धारित की है। वहीं लखनऊ के अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह की ओर से दायर वाद की पत्रावली को अदालत ने आर्डर के लिए रिजर्व कर लिया है। मनीष यादव द्वारा सिविल जज सीनियर डिविजन की अदालत में श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह प्रकरण को लेकर दायर किए गए वाद में ईदगाह कमेटी की ओर से सेवन रूल इलेवन के तहत बहस की गई। इस बारे में जानकारी देते हुए शाही मस्जिद ईदगाह इंतजामिया कमेटी के सचिव व अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि अदालत में सेवन रूल इलेवन के तहत जारी हमारी बहस पूरी हो गई। उन्होंने अदालत को बताया कि मनीष यादव ने किस मालिकाना हक के तहत वाद दायर किया है। उनके द्वारा 13.37 एकड़ जमीन का जो नक्शा अदालत में प्रस्तुत किया है उसमें भी काफी खामियां हैं। नक्शे में सीमाओं का उल्लेख नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि उनकी ओर से लिमिटेशन और वार्शिप एक्ट पर बहस की गई। अदालत में उनकी बहस पूरी हो चुकी है। अब इस मामले में वादी पक्ष के अधिवक्ताओं द्वारा पक्ष रखा जाएगा जाएगा।

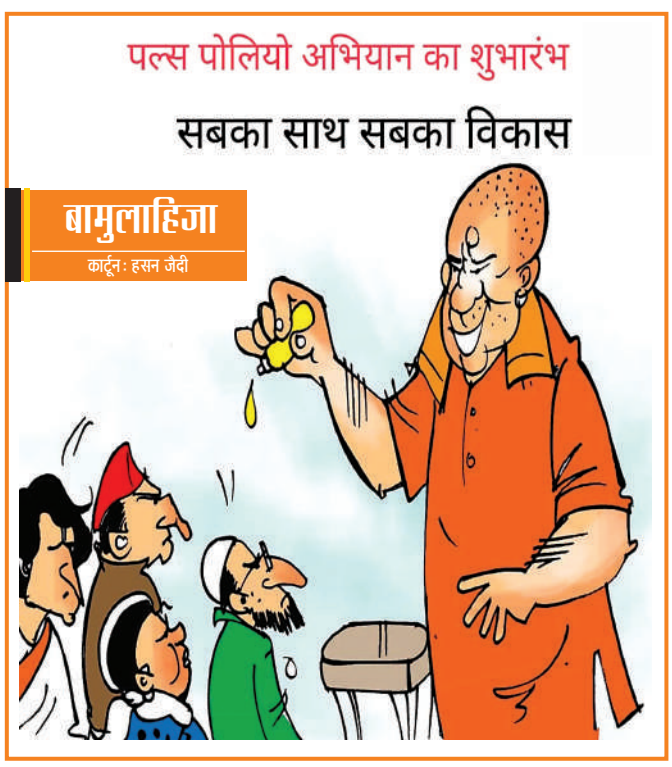

अर्चना बनीं फास्ट ट्रैक कोर्ट की जज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रशासन ने कई जिला जजों का स्थानांतरण कर उन्हें नई जगह तैनात किया है। इसके अलावा वाणिज्यिक न्यायालय के एक और भूमि अधिग्रहण पुनर्वास एवं पुनर्वास प्राधिकरण के दो पीठासीन अधिकारियों को जिला न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। तीन अपर सत्र न्यायाधीशों को भी नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हाईकोर्ट के महानिबंधक आशीष गर्ग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक स्थानांतरित होने वाले जिला जजों में संत कबीरनगर में तैनात लक्ष्मीकांत शुक्ल को लखीमपुर का जिला न्यायाधीश बनाया गया है। इसी तरह जिला जज हापुड़ ब्रजेन्द्र मणि त्रिपाठी को गोंडा का जिला न्यायाधीश, जिला जज गोंडा के रवींद्र कुमार को हापुड़ का जिला न्यायाधीश बनाया गया है। कानपुर नगर वाणिज्यिक न्यायालय के पीठासीन अधिकारी सैयद मौज बिन आसिम को कासगंज का जिला न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर के भूमि अधिग्रहण पुनर्वास एवं पुनर्वास प्राधिकरण के पीठासीन अधिकारी संजीव पांडेय को बागपत का जिला न्यायाधीश, लखनऊ वाणिज्यिक न्यायालय के पीठासीन अधिकारी हरीश त्रिपाठी को संत कबीर नगर का जिला न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इसके अलावा तीन अपर सत्र न्यायाधीशों का भी स्थानांतरण किया गया है। इसमें रामपुर में तैनात अपर सत्र न्यायाधीश निशांत देव को लखनऊ, अर्चना यादव को लखनऊ (फास्ट ट्रैक कोर्ट) और लखनऊ में तैनात विनय सिंह को फास्ट ट्रैक कोर्ट से लखनऊ में अपर सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

मायावती ने मुस्लिम वोट के लिए चला बड़ा दांव, सपा को झटका

समाजवादी पार्टी छोड़ने वाले इमरान मसूद अब बसपा के हुए

» सहारनपुर में जीत की तैयारी में बसपा, भाजपा हुई चिंतित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने अखिलेश यादव को बड़ा झटका दिया है और हाल में समाजवादी पार्टी छोड़ने वाले इमरान मसूद को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। इमरान मसूद को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में असरदार माना जाता है और मुस्लिम वोट बैंक के लिए मायावती का बड़ा दांव माना जा रहा है। बता दें कि इमरान मसूद इस साल के शुरू में हुए यूपी विधानसभा चुनाव से ऐन पहले कांग्रेस छोड़कर सपा में शामिल हुए थे।

सहारनपुर का बड़ा मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले नेता इमरान मसूद ने कहा कि मायावती ने उन्हें आशीर्वाद देकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विश्वास जताया है। सहारनपुर की राजनीति में एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता काजी इमरान मसूद समाजवादी पार्टी में दर्जा प्राप्त मंत्री रहे, लेकिन अब मायावती के साथ हो गए हैं।

यह पहली बार है जब बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने आवास पर सार्वजनिक रूप से किसी नेता को पार्टी में शामिल किया और इसकी तस्वीर भी सोशल मीडिया के जरिए जनता के सामने पेश की। इसी के साथ इमरान मसूद को लेकर काफी दिन से चल रहे कयासों पर अब विराम लग गया है।

सपा में सम्मान मिला या नहीं, सब जानते हैं

इमरान मसूद का कहना है कि बसपा में शामिल होने के साथ ही मायावती का आशीर्वाद मिला, जिससे उनका कद बढ़ गया है। इमरान मसूद ने समाजवादी पार्टी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव की पार्टी में उन्हें सम्मान मिला या नहीं, यह जग जाहिर है, सभी जानते हैं. मसूद ने सपा पर हमला करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में मुस्लिम जनता ने समाजवादी पार्टी को खूब वोट दिए, सपा की साइकिल पर खूब बटन दबाए गए, लेकिन पार्टी अपनी सरकार नहीं बना सकी। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इमरान मसूद के बसपा में शामिल होने के बाद दलित और मुस्लिम मतदाता एकजुट हो जाएंगे और बसपा को यहां जीत हासिल करने में आसानी होगी। माना जा रहा है कि इमरान मसूद और बीएसपी, दोनों के ही लिए यह समझौता फायदेमंद साबित हो सकता है।

'मुस्लिम वोट बसपा के खाते में डालने का काम करेंगे'

बसपा में शामिल होने के बाद इमरान मसूद कहते हैं कि प्रदेश में अगर भारतीय जनता पार्टी का कोई विकल्प है, तो वह बहुजन समाज पार्टी ही है. मसूद ने कहा कि वह बसपा में आधिकारिक रूप से शामिल हो गए हैं। अब वह बहन जी के हाथों को मजबूत करेंगे और लोकसभा चुनाव में मुस्लिम वोट बसपा के खाते में डालने का काम करेंगे। इसके अलावा मसूद ने प्रदेश के मुसलमानों के लिए कहा है कि मुस्लिम समुदाय को अपने वोट की ताकत का एहसास करना होगा और अगर राज्य का और अपने समुदाय का विकास चाहते हैं, चो सही पार्टी को वोट करना होगा।

बसपा को बताया बीजेपी का विकल्प

यूपी विधानसभा चुनाव 2022 शुरू होने से पहले ही इमरान मसूद ने कांग्रेस छोड़कर सपा का हाथ थामा था, लेकिन अब वह बसपा में शामिल हो रहे हैं। इमरान मसूद का कहना है कि मुसलमानों ने सपा को खूब वोट दिया, फिर भी सरकार नहीं बन पाई। ऐसे में अगर प्रदेश में बीजेपी का कोई विकल्प है, तो वह बहुजन समाज पार्टी ही है। फिलहाल, यह बताया जा रहा है कि इमरान मसूद बसपा के टिकट पर परिवार के किसी सदस्य को मेयर का चुनाव भी लड़वा सकते हैं। माना जा रहा है कि मायावती को पश्चिमी यूपी के लिए जो बड़े मुस्लिम चेहरे की तलाश थी, वह अब पूरी हो गई है। इमरान मसूद को मुस्लिम समुदाय तो वोट देता ही है, साथ ही अन्य धर्मों और वर्गों की जनता भी उन्हें पसंद करती है। ऐसे में मायावती इमरान मसूद के जरिए सहारनपुर में अपनी जमीन पक्की करने की कोशिश कर रही हैं।

खुशखबरी! धनतेरस से दीपावली तक यूपी में नहीं जाएगी बिजली

» त्योहार के चलते 24 घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रकाश पर्व दीपावाली के अवसर पर प्रदेशवासियों को बिजली कटौती से नहीं जूझना पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पावर कारपोरेशन प्रबंधन धनतेरस से दीपावली तक प्रदेश को बिजली कटौती से मुक्त रखते हुए 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारियों में जुटा है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि धनतेरस एवं दीपावली जैसे त्योहारों पर पूरे प्रदेश को कटौती मुक्त बिजली आपूर्ति करने के निर्देश दिए गए हैं।

पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एम. देवराज ने सभी डिस्काम के प्रबंध निदेशकों, मुख्य अभियंताओं व विद्युत निगम के अधिकारियों को सभी क्षेत्रों को कटौती मुक्त रखने के इंतजाम करने को कहा है। कहा है कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी सावधानी बरतें। स्थानीय स्तर पर विद्युत आपूर्ति में आने वाले अवरोधों को भी कम से कम समय में ठीक करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। अध्यक्ष ने डिस्काम के प्रबंध निदेशकों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। कहा गया है कि सभी ट्रांसफार्मरों में तेल की स्थिति, लोड बैलेसिंग, उचित क्षमता के फ्यूज एवं अर्थिंग की जांच आदि करा ली जाए। यह भी जांच लिया जाए कि ट्रांसफार्मर पर अधिक लोड तो नहीं है। डिस्काम स्तर व जिला स्तर पर विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएं। अप्रत्याशित ब्रेकडाउन होने की दशा में शीघ्र बिजली आपूर्ति शुरू करने के लिए पर्याप्त संख्या में मरम्मत गैंग की व्यवस्था कर ली जाए।

जेलों में भैयादूज के लिए विशेष प्रबंध के निर्देश

कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने जेलों में भैयादूज का पर्व मनाए जाने के लिए विशेष प्रबंध किए जाने का निर्देश दिया है। राही ने कहा है कि सभी जेलों में इस पर्व को मनाने के लिए नियमानुसार प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। डीजी जेल को निर्देश दिया है कि इस पर्व पर बंदियों से मिलने आने वाली उनकी बहनों के लिए समय निर्धारित किया जाए और उसके अनुरूप मुलाकात के प्रबंध कराए जाएं। जिससे इस पर्व को गरिमा के अनुरूप मनाने में कोई बाधा न हो। सभी जेल अधीक्षकों को इसके लिए विस्तृत निर्देश जारी करने को कहा है। मंत्री का कहना है कि इस पर्व को प्रदेशवासी बड़ी धूमधाम से मनाते हैं, इसके दृष्टिगत जेलों में भी प्रबंध किए जाने का निर्देश दिया गया है।

रंग-बिरंगी झालर त्योहार में घर को देगी नया लुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसी भी घर में दीपावली बिना सजावट के पूरी नहीं होती। लोग,खासकर महिलाएं घर को नया लुक देने में कई दिन पहले से ही जुट जाती हैं। हर किसी का एक ही मकसद होता है, त्यौहार पर घर आने वाले मेहमानों को साज-सज्जा से प्रभावित करना। सजवाट में चार चांद लगाने के लिए झालर से बेहतर कुछ भी नहीं। इसी को ध्यान में रखते हुए बाजार में एक से बढ़कर झालर व रंगबिरंगी लाइटें मौजूद हैं। हर वर्ग के लिए हर बजट में उत्पाद मॉल और आम दुकानों में आपको मिल जाएंगे। आर्टिफिशियल झालर हो या फूलों की झालर, बराबर मांग रहती है। फूलों की झालर व आर्टिफिशियल झालर का बाजार सज चुका है। इस बार बाजार में चाइनीज झालरों से ज्यादा अपने देश में बनी झालरों की मांग अधिक है। राजधानी के बाजारों में दीपावली की रौनक नजर आने लगी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

युवाओं में पर्यावरण को लेकर सजगता बढ़ी

पर्यावरण को स्वस्थ और समृद्ध बनाने की जब बात सामने आती है, तो वनों और उसमें रहने वाले जीव-जंतुओं की सुरक्षा का मुद्दा अति महत्वपूर्ण हो जाता है। खुशी की बात है कि इसकी प्रासंगिकता को समझते हुए पिछले दो-तीन दशकों में युवा पीढ़ी ने इस दिशा में कदम उठाए हैं और युवाओं में पर्यावरण को लेकर सजगता बढ़ी है। पर्यावरणविदों का शोध कहता है कि समृद्ध पर्यावरण के लिए 33 फीसदी वनों का होना जरूरी है, जबकि भारत में 17 फीसदी से अधिक वन नहीं हैं। घटते वनों और विलुप्त होते जीव-जंतुओं की रक्षा के लिए केंद्र सरकार ने समय-समय पर अनेक कानून बनाए हैं और वन्य जीवों के संरक्षण के लिए परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। चाहे वह 1972 का वन्यजीव संरक्षण कानून हो या 1973 की बाघ बचाओ योजना हो या 1981 वन संरक्षण अधिनियम हो, इन सबने जनता में एक नई चेतना जागृत की। इसके बावजूद इस उभरते हुए रुझान को और व्यापक बनाने के लिए जरूरी है कि बच्चे इसका केंद्र बिंदु बनें और उन्हें बचपन से वनों एवं पर्यावरण की संपदा और उसकी विविधता की जानकारी दी जा सके। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को राष्ट्रीय उद्यानों की सैर कराई जाए और उन्हें बताया जाए कि कैसे वन हमारे रक्षक हैं। वनों का सौंदर्य अवश्य ही उनके मन को छू लेगा। इस दौरान विलुप्त होने वाली प्रजातियों और उनके संरक्षण के उपायों पर भी उनसे चर्चा की जा सकती है।

राष्ट्रीय उद्यानों के समग्र विकास हेतु आवश्यक है कि इनमें प्रवेश शुल्क कम हो, ताकि वन प्रेमी और स्कूली बच्चे उनमें जा सकें, और पेड़-पौधों एवं वन्यजीवों के प्रति उनके मन में संरक्षण का भाव पैदा हो सके। केंद्र और प्रदेश सरकारों को सोचना और समझना चाहिए कि वन अभयारण्य सरकार की आय का स्रोत न बनकर रह जाए, बल्कि वन प्रेमियों की आस्था का तीर्थस्थल बन सके, जहां प्रवेश करना उनके लिए दुरूह न होकर प्रेरणादायक हो। आम लोगों में जब पेड़-पौधों और वन्य-जीवों के प्रति सकारात्मकता और संवेदनशीलता की भावना पैदा होगी, तभी हमारे वन स्वस्थ बनेंगे और उनमें रहने वाले जीव-जंतु हमारी पर्यावरणीय जैव-विविधता को बढ़ाएंगे। इसके साथ-साथ हम अनेकों वन पर्यटकों को अवैतनिक रूप से वन प्रहरी के रूप में तैयार कर सकेंगे, जो समाज में इस विपुल संपदा के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करेंगे। राष्ट्रीय पार्कों का प्रबंधन देखने वाले लोगों को एक ऐसा डेटाबेस तैयार करना चाहिए, जिससे जानकारी मिले कि कौन-कौन से व्यक्ति उद्यानों को देखने आते हैं, क्योंकि इससे पता चलेगा कि ये लोग पेड़-पौधों और वन्य-जीवों में निरंतर रुचि रखते हैं। ऐसे लोगों को चिह्नित करके पार्क प्रबंधन से जोड़ना चाहिए और समय-समय पर होने वाली गोष्ठियों और वन सप्ताह आदि में बुलाकर उनके विचार सुनने चाहिए। ऐसा करके ही हम भविष्य के लिए उद्यानों के विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए योजनाबद्ध रणनीति तैयार कर सकेंगे।

“ केंद्र और प्रदेश सरकारों को समझना चाहिए कि अभयारण्य सरकार की आय का स्रोत न बनकर रह जाए, बल्कि वन प्रेमियों की आस्था का तीर्थस्थल बन सके, जहां प्रवेश करना उनके लिए दुरूह न होकर प्रेरणादायक हो। आम लोगों में जब पेड़-पौधों व वन्य जीवों के प्रति सकारात्मकता व संवेदनशीलता की भावना पैदा होगी, तभी उनमें रहने वाले जीव हमारी पर्यावरणीय जैव विविधता को बढ़ाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कट्टरता से जन्मा देश खतरनाक

विभूति नारायण राय

इन दिनों पाकिस्तान में हंगामा बरपा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की चुनावी तैयारियों से जुड़े समूह के सामने बोलते हुए पाकिस्तान को दुनिया के सबसे खतरनाक मुल्कों में से एक करार दे दिया। यह एक ऐसे समय हुआ, जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और पीडीएम गठबंधन की शहबाज शरीफ सरकार अपनी विदेश नीति की सफलता की डींगे हांकते थक नहीं रहे थे। वर्षों बाद यह भी हुआ कि किसी पाकिस्तानी जनरल को अमेरिका के सुरक्षा तंत्र में इतना महत्व मिला। हालिया यात्रा के दौरान जनरल बाजवा को अमेरिकी रक्षा सचिव ने तो समय दिया ही, रक्षा मुख्यालय पेंटागन में भी उनको अप्रत्याशित प्रोटोकॉल दिया गया। चंद महीनों में अमेरिकी रुख में इतना बड़ा बदलाव कैसे हो गया?

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जो गंभीर अध्येता अमेरिकी नीतियों पर नजर रखते हैं, वे जानते हैं कि ये किसी फौरी उत्तेजना की निर्मिति नहीं हैं, उन्हें अमेरिकी हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत से विचार समूहों (थिंक टैंक) से प्राप्त इनपुट के आधार पर विकसित किया जाता है, इसलिए न तो पाकिस्तानी उल्लास के पक्ष में कोई तर्क बनता है और न ही जो बाइडन के बयान से कोई सरलीकृत निष्कर्ष निकाले जाने चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूं ही पाकिस्तान को सबसे खतरनाक मुल्कों की श्रेणी में नहीं रखा है। सात घोषित और दो अघोषित परमाणु हथियार संपन्न देशों में पाकिस्तान अकेला है, जहां से अलग-अलग मौकों पर परमाणु तकनीक अनधिकृत स्रोतों को बेची गई है। तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को अमेरिकी अधिकारियों द्वारा दस्तावेजी सबूत दिखाने के बाद पाकिस्तानी परमाणु कार्यक्रम के जनक अब्दुल कादिर को आजीवन अपने घर में नजरबंद कर दिया गया था। आज यह खुले रहस्य की तरह है कि उत्तरी कोरिया और ईरान के परमाणु कार्यक्रम विकास के जिन चरणों में हैं, उन्हें वहां तक पहुंचाने में पाकिस्तान के सैन्य और असैन्य अधिकारियों को मिली रिश्वतों का भी बड़ा हाथ है। खुद प्रधानमंत्री रही बेनजीर भुट्टो ने भी एक इंटरव्यू में इसे माना था कि उनके सरकारी जहाज का भी इस काम में इस्तेमाल हुआ था।

पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद जैसे पाकिस्तानी राजनीतिज्ञों ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उनके पास टैक्टिकल बम हैं। टैक्टिकल बम वे छोटे बम होते हैं, जिन्हें बिना महंगे तामझाम के दो-तीन पैदल सैनिक चला सकते हैं। सही अर्थों में तो एक ही सैनिक काफी है, जो अपने कंधे पर रखे किसी लॉन्चर से यह बम फेंक सकता है। इसे उपयोग में लाने के लिए कमांड और कंट्रोल का वर्तमान तंत्र काफी हद तक अपर्याप्त सिद्ध होगा। छोटा बम एक सीमित इलाके में कुछ लाख लोगों को तो मारेगा ही, एक बड़े परमाणु युद्ध की संभावना भी पैदा करेगा।

अमेरिका के लिए दूसरा और ज्यादा बड़ा दु:स्वप्न पाकिस्तानी परमाणु जखीरे का किसी आतंकी संगठन के हाथ पड़ जाने की आशंका है। एक कमजोर नींव पर खड़े पाकिस्तानी राज्य में इसका खतरा हमेशा बरकरार रहता है। कई बार ऐसा हुआ कि देश के किसी विशाल भूभाग पर इस्लामी अतिवादियों का कब्जा हो गया और एक स्थिति तो ऐसी भी आई, जब वे इस्लामाबाद से सिर्फ साठ मील दूर रह गए थे। दुर्भाग्य से मुख्यधारा के लगभग हर राजनीतिक दल ने मौका पड़ने पर सशस्त्र जेहाद में विश्वास रखने वाले संगठनों से हाथ मिलाया है। इस समय लोकप्रियता के शिखर पर बैठे इमरान तो एक जमाने में कहे ही जाते थे तालिबान खान। फौज एक प्रोजेक्ट के तौर पर उन्हें सत्ता में लाई थी और उसके हाथ खींच लेते ही वे तख्त से उतार दिए गए। पर विपक्ष में बैठे इमरान ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। अमेरिका मुखालिफ आख्यान तो पाकिस्तान में हमेशा बिकता आया है, उन दिनों भी जब वह पूरी तरह से अमेरिकी मदद पर निर्भर था, सार्वजनिक विमर्श का टोन ऐसा ही होता था, पर इस बार तो इमरान ने इस नैरेटिव को फौज विरोधी भी बना दिया है। इन दिनों पाकिस्तानी सोशल मीडिया सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा और उनके समर्थक खुफिया इदारों के अफसरों के खिलाफ गुस्से से भरा हुआ है। सत्ताच्युत होने के बाद होने वाले सारे उपचुनावों को इकतरफा मुकाबलों में जीतकर इमरान ने साबित कर दिया है कि पाकिस्तान में अमेरिका विरोधी के साथ ही फौज विरोधी बयान भी बिक सकता है और यह भी अमेरिका के लिए चिंता का एक कारण है। यह भी सच है कि जब भी किसी जेहादी संगठन ने राज्य सत्ता पर कब्जा करने का प्रयास किया उसके खिलाफ प्रतिरोध की मजबूत दीवार सेना ही बनी है और उसने इसकी कीमत भी अपने हजारों अफसरों और जवानों की कुर्बानियों के रूप में चुकाई है।

राह में रोड़ा न बने पहनावा

जकिया सोमन

पिछले हफ्ते, सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने हिजाब मामले में विभाजित फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और एक समान ड्रेस कोड व हिजाब सहित तमाम धार्मिक प्रतीकों को कक्षाओं में प्रतिबंधित करने का समर्थन किया। दूसरी तरफ, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कर्नाटक सरकार के आदेश को दरकिनार करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि लड़कियों को चयन का अधिकार मिलना चाहिए। अब देश के प्रधान न्यायाधीश तय करेंगे कि अगली पीठ का आकार क्या हो और कौन-कौन न्यायमूर्ति इस मामले की सुनवाई करेंगे? बेशक अदालती फैसला सांविधानिक सिद्धांतों और कानूनों पर टिका होता है, लेकिन यह विभाजित निर्णय मौजूदा ध्रुवीकृत समय की सच्चाई भी बयां करता है। यह आश्चर्य की बात है कि कर्नाटक में स्कूल प्रबंधन समिति, जिसकी अध्यक्षता स्थानीय राजनेता करते हैं, माता-पिता से बात करके हिजाब पर गतिरोध का हल नहीं निकाल सकी। इसके बजाय, मामला देश के सर्वोच्च न्यायालय में चला गया। यह घटनाक्रम संकेत है कि बीमारी कहीं गहरी है। विद्यार्थियों का जीवन और उनका भविष्य धर्म व राजनीति के बीच फंसा नजर आता है। लगता है, शिक्षा पाने का उनका अधिकार संविधान के पन्नों में ही सिमटकर रह जाएगा, और उनका जीवन व्यावहारिक राजनीति से तय होगा।

अब यह कोई छिपा तथ्य नहीं रहा कि हिजाब और नकाब इस्लाम में अनिवार्य नहीं हैं। मजहबी साक्ष्य इसकी पुष्टि करते हैं। हिजाब पितृसत्तात्मक समाज द्वारा औरतों पर नियंत्रण करने के लिए थोपा गया है। यह बात हिजाब के खिलाफ ईरान में चल रहे आंदोलन से भी हम बखूबी समझने लगे हैं। ईरानी महिलाएं तो खुलकर कह रही हैं कि उनके लिबास किस तरह के होने चाहिए, इससे न मुल्क को मतलब होना चाहिए, और न मौलवियों को। रूढ़िवादी मौलवियों ने ही महिलाओं के लिए सख्त ड्रेस कोड की वकालत की है, और कुछ वर्गों में हिजाब को स्वीकृति मिल भी गई है। कुछ लड़कियां यही मानती हैं कि हिजाब महजबी इनायत है और इसे पहनने में उनकी खुशी है। कई तो इसके बिना अपने घरों से बाहर निकलने की कल्पना तक नहीं कर सकतीं। उडुपी में लड़कियों ने तो हिजाब की खातिर कक्षाएं, यहां तक की परीक्षाएं भी छोड़ दीं। दरअसल, चयन एक जटिल मसला है, और यह हमारी सामाजिक कंडीशनिंग से प्रभावित होता है। कई महिलाएं अपने परिवार के लिए करियर तक छोड़ देती हैं और घर संभालने लगती हैं। पुरुष ऐसा बहुत कम करते हैं। सामाजिक-आर्थिक हकीकत, परंपरा, संस्कृति और धर्म उन महिलाओं के व्यवहार को कहीं अधिक प्रभावित करते हैं, जिन्हें आत्म-जागरूकता, शिक्षा और ज्ञान की राह पर चलने से महरूम रखा जाता है। देखा जाए, तो हिजाबी लड़कियों को भी इस यात्रा से दूर कर दिया गया है। रूढ़िवादियों को लड़कियों की शिक्षा की परवाह नहीं होती। मगर लोकतंत्र में अपेक्षा यही की जाती है कि विकास से जुड़ी संस्थाएं धार्मिक प्रतिष्ठानों से बेहतर कार्य करेंगी। शिक्षण संस्थानों को सीखने की भावना और वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। उनको राजनेता की अध्यक्षता वाली समिति के अनर्गल फैसले स्वीकार नहीं करने चाहिए। सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उनको उदार रुख अपनाना चाहिए। आखिर हिजाब के कारण लड़कियों को शिक्षा से महरूम रखना क्या उचित है? क्या वे उनके जीवन को बेहतर बना रहे हैं?

हिजाब पहनने वाली लड़कियों ने यूनिफॉर्म पहनने से इनकार नहीं किया, बल्कि वे यूनिफॉर्म के ऊपर हिजाब पहनना चाहती हैं। बेशक कोई भी शिक्षण संस्थान अपने लिए ड्रेस तय कर सकता है, लेकिन इसके साथ ही उसे शिक्षा के मौलिक अधिकार का भी ध्यान रखना चाहिए। सामाजिक परिस्थितियों का आकलन किए बिना यूनिफॉर्म पर सख्त रुख अपनाने से उसे बचना चाहिए। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के अधीन स्कूल हिजाब या नकाब न पहनने वाली लड़की को वापस घर भेज सकता है, लेकिन भारत अफगानिस्तान नहीं बन सकता। हम एक संवेदनशील लोकतंत्र हैं, जहां कपड़े का एक टुकड़ा शिक्षा मुहैया न कराने का सबब नहीं बन सकता। आजादी के 75 साल के बाद भी भारतीय मुसलमान कई कारणों से गरीब और पिछड़े बने हुए हैं। पिछले 15 सालों में लड़कियों का शिक्षा के प्रति बढ़ता उत्साह और नामांकन की उनकी बढ़ती दर उम्मीद जगाती है। कई औरतें आर्थिक रूप से खुदमुख्तार हो रही हैं। कई घर से बाहर निकलने लगी हैं। तीन तलाक के खिलाफ लोकतांत्रिक लड़ाई में महिलाओं ने रूढ़िवादी ताकतों को चुनौती दी। इन सभी सकारात्मक बदलावों पर नफरत व धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति पानी फेर सकती है। अजान, नमाज, हिजाब और मदरसों के खिलाफ कथित कार्रवाई को मुस्लिम अस्तित्व पर हमले के रूप में देखा जाने लगा है। बेशक, जस्टिस गुप्ता विद्यार्थियों को धर्मनिरपेक्षता का पाठ पढ़ाने के हिमायती हैं, पर छात्र-छात्राओं को विविधता, बहुलतावाद और बहु-संस्कृतिवाद के बारे में भी बताना होगा, जो हमारे देश को परिभाषित करते हैं। भारतीय धर्मनिरपेक्षता एक तरफ राष्ट्र को सभी धर्मों से समान दूरी बरतने को कहती है, तो दूसरी तरफ नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता भी देती है। भगवा पहने राजनेता हमारी संसद की अनूठी विशेषता हैं, जो फ्रांस जैसे देशों में अकल्पनीय है। संसद और स्कूली कक्षाओं का अलग-अलग पैमाना नहीं होना चाहिए। हिजाब सार्वजनिक व्यवस्था के लिए कोई खतरा नहीं है। अगर इससे नुकसान भी पहुंचाता है, तो सिर्फ पहनने वाले को। उम्मीद है कि सर्वोच्च न्यायालय लड़कियों के शिक्षा के अधिकार को बहाल करेगा।

दीपावली

के दिन अपने भक्तों को धन-धान्य का आशीर्वाद प्रदान करती हैं

मां लक्ष्मी

प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह में अमावस्या तिथि को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। पूरे भारत में इस पर्व का अलग ही हर्ष और उल्लास देखने को मिलता है। इस दिन पूरा देश दीये को रोशनी से जगमगा उठता है। हिंदू धर्म में दीपावली को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर पर पधारती हैं और उन्हें धन-धान्य का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। साथ ही कहा जाता है कि दीपावली के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण पर विजय प्राप्त करके अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में लोगों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दीपावली मनाई जाती है। इस दिन लोग दीपक जलाकर खुशियां मनाते हैं। तो चलिए जानते हैं इस साल दीपावली की तिथि शुभ मुहूर्त कब है और पूजन विधि क्या है...

लक्ष्मी-गणेश पूजन विधि

दीपावली पर शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी-गणेश की पूजा विधि पूर्वक की जाती है। पहले कलश को तिलक लगाकर पूजा आरम्भ करें। इसके बाद अपने हाथ में फूल और चावल लेकर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का ध्यान करें। ध्यान के पश्चात भगवान श्रीगणेश और मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर फूल और अक्षत अर्पण करें। फिर दोनों प्रतिमाओं को चौकी से उठाकर एक थाली में रखें और दूध, दही, शहद, तुलसी और गंगाजल के मिश्रण से स्नान कराएं। इसके बाद स्वच्छ जल से स्नान कराकर वापस चौकी पर विराजित कर दें।

स्नान कराने के उपरांत लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा को टीका लगाएं। माता लक्ष्मी और गणेश जी को हार पहनाएं। इसके बाद लक्ष्मी गणेश जी के सामने बताशे, मिठाइयां फल, पैसे और सोने के आभूषण रखें। फिर पूरा परिवार मिलकर गणेश जी और लक्ष्मी माता की कथा सुनें और फिर मां लक्ष्मी की आरती उतारें।

शुभ मुहूर्त

इस साल कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 24 और 25 अक्टूबर दोनों दिन पड़ रही है। लेकिन 25 अक्टूबर को अमावस्या तिथि प्रदोष काल से पहले ही समाप्त हो रही है। वहीं 24 अक्टूबर को प्रदोष काल में अमावस्या तिथि होगी। 24 अक्टूबर को निशित काल में भी अमावस्या तिथि होगी। इसलिए इस साल 24 अक्टूबर को ही पूरे देश में दीपावली का पर्व मनाया जाएगा।

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन में शामिल करें ये खास चीजें

लक्ष्मी जी के चरण चिह्न

शास्त्रों के अनुसार मां लक्ष्मी सुख-समृद्धि, धन-दौलत और ऐश्वर्य प्रदान करने वाली देवी हैं। मां लक्ष्मी के प्रसन्न होने पर व्यक्ति धनवान और समृद्धिशाली हो जाता है और जीवन से धन की कमी हमेशा के लिए दूर हो जाती है। मां लक्ष्मी की पूजा में उनके चरण चिन्ह की पूजा होती है। ऐसे में दिवाली पर देवी लक्ष्मी की पूजा में सोने-चांदी या धातु से बने चरण चिन्ह जरूर रखना चाहिए। अगर सोने-चांदी से बने चरण चिन्ह न रख सकें तो कागज पर बने चरण चिन्ह की जरूर पूजा करनी चाहिए।

दक्षिणावर्ती शंख

मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा में शंख का विशेष महत्व होता है। बिना शंख के माता लक्ष्मी की पूजा अधूरी मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दिवाली पर माता लक्ष्मी की पूजा में दक्षिणवर्ती शंख की पूजा से सुख-समृद्धि आती है। माता लक्ष्मी और दक्षिणवर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र मंथन के दौरान हुई थी इस कारण से दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी जी का भाई माना जाता है। ऐसे में दिवाली पर लक्ष्मी पूजा में दक्षिणावर्ती शंख भी जरूर रखें।

श्रीयंत्र

मां लक्ष्मी की पूजा-आराधना श्रीयंत्र के बिना अधूरी होती है। इसलिए दीपावली पर मां लक्ष्मी की पूजा में श्रीयंत्र को जरूर शामिल करें।

खीर

दीपावली पर मां लक्ष्मी को भोग में खीर भी शामिल करें। खीर मां लक्ष्मी का प्रिय भोजन है। ऐसे में दीपावली पर मिठाई के अलावा घर पर मेवे से बनी खीर जरूर चढ़ाएं।

दीपावली का ज्योतिषीय महत्व हिंदू धर्म में हर त्यौहार का ज्योतिष महत्व होता है। माना जाता है कि विभिन्न पर्व और त्यौहारों पर ग्रहों की दिशा और विशेष योग मानव समुदाय के लिए शुभ फलदायी होते हैं। हिंदू समाज में दिवाली का समय किसी भी कार्य के शुभारंभ और किसी वस्तु की खरीदी के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस विचार के पीछे ज्योतिष महत्व है। दीपावली का आध्यात्मिक और सामाजिक दोनों रूप से विशेष महत्व है। हिंदू दर्शन शास्त्र में दिवाली को आध्यात्मिक अंधकार पर आंतरिक प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई का उत्सव कहा गया है।

हंसना मना है

पारुल अपने नौकर से- नालायक, तुझसे एक भी काम ढंग से नहीं होता, बदतमीज कहीं का नौकर-मैडम, जरा तमीज से बात करिए! मैं आपका नौकर हूं, शौहर नहीं।

सारे दिन फोन पर चैटिंग करते रहने का नतीजा- पापा: बेटा क्या कर रहा है। पप्पू: पापा वर्षा आने वाली है। पापा: कुछ पढ़ लिया कर नालायक, सारे दिन लड़कियों से चैटिंग करता रहता है। पप्पू: पापा मैं बारिश की बात कर रहा हूं।

संजू अपने पिता से: पापा वो शर्मा जी का बेटा बाप बन गया। पिता: तो। संजू: अच्छा ! बचपन से जब भी वो फर्स्ट आया आपने कहा उस जैसा बनो। तो आज नहीं कहोगे। पिता: भाग हरामखोर यहां से।

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए: एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए। बेटा: पापा चलो इकट्ठे ही चलते है। पिता: क्यों। बेटा: मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

कहानी — दूसरों को छोटा न समझें

एक बार की बात है एक संत थे, वे अक्सर यात्रा पर रहते थे और उनका नियम था कि वे ऐसे ही लोगों के घर आश्रय लेते थे, जिनका अचार-विचार अच्छा हो और घर पवित्र हो। इस बार उन्होंने वृन्दावन जाने का सोची लेकिन पहुंचते-पहुंचते रास्ते में रात हो चुकी थी। तो उन्होंने सोचा कि इसी गांव में रात बिता लेता हूं और सवेरे जल्दी उठकर फिर से अपनी यात्रा को शुरू कर दूंगा। अब अपने नियम अनुसार उनको ऐसा घर खोजना था जो उनके रहने लायक हो। उन्होंने पता चला कि ब्रज के पास वाले गांव के सभी लोग धार्मिक है व कृष्ण के परम भक्त है। संत उस गांव गये और एक व्यक्ति के घर का द्वार खटखटाया और कहा, भाई मैं थोड़ा विश्राम करना चाहता हूं तो क्या मैं आपके घर रात बिता सकता हूं, लेकिन मेरा एक नियम हैं कि मैं केवल उसी के घर का भोजन और पानी ग्रहण करता हूं जिसके घर का आचार विचार शुद्ध हो। इस पर उस व्यक्ति ने कहा, महाराज माफ कीजिये मैं तो इस गांव का तुच्छ सा इंसान हूं। लेकिन इस गांव के सभी लोग मुझसे कही ज्यादा पवित्र हैं। फिर भी यदि आप मेरे घर में रुकेंगे तो मैं खुद को भाग्यशाली मानूंगा। इस पर संत कुछ नहीं बोले और आगे बढ़ गये, आगे जाकर एक और व्यक्ति से उन्होंने रात बिताने के लिए विनती की। तो इस दूसरे व्यक्ति ने भी वहीं बात कही। संत फिर बिना कुछ बोले आगे बढ़ गए। अब आगे जिसके भी घर गये सभी ने लगभग यही बात बोली। अब संत को अपनी खुद ही सोच पर लज्जा महसूस होने लगी कि वो एक संत होकर दूसरों को छोटा समझने की इतनी छोटी सोच रखते हैं जबकि एक आम आदमी जो गृहस्थ है वो अपने परिवार के जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी कितना उत्तम आचरण लिए हुए है कि खुद को गांव का सबसे छोटा बता रहा है और दूसरे सभी को खुद से बेहतर! अब वे सबसे पहले वाले आदमी के पास गये और उससे कहा क्षमा कीजिये, मुझे लगता है इस गांव का हर एक आदमी पवित्र है लेकिन मैं आपके घर रुकना चाहूंगा।

सीख: दोस्तों ये कहानी हमें विनम्र रहने की सीख देती है। खुद को छोटा समझना और दूसरों से अपनी तुलना नहीं करना ही आपको असल जिन्दगी में महान आचरण वाला बनाता है।

6 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष अपनी वस्तुओं को संभालकर रखना आवश्यक है। आपकी सलाह को स्वीकार किया जाएगा।

वृषभ व्यापार में निर्णय सोच-समझकर लें। मौके का लाभ उठा सकेंगे। अति उत्साह से नुकसान होगा।

मिथुन आर्थिक निवेश लाभदायी रहेगा। अपनी बुरी आदतों पर नियंत्रण रखना होगा। लोगों से मुलाकात होगी।

कर्क मधुर संबंध बनेंगे, जो लाभदायी रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

सिंह पारिवारिक समस्या हल होगी। आवेश में आकर कार्य न करें। सामाजिक आयोजनों में रुचि लेंगे।

कन्या व्यापार-व्यवसाय में बढ़ोतरी होगी। कर्ज से दूर रहें। परिवार के सदस्यों की तरक्की होगी।

तुला मौके का फायदा उठाना आपके हाथ में है। व्यावसायिक दृष्टि से लाभदायक समय।

वृश्चिक पुराने रुके कार्य पूरे हो सकेंगे। गृहस्थ जीवन शांतिमय रहेगा। जोखिम के कार्यों से दूर रहें।

धनु व्यापारिक कार्य से की गई यात्रा लाभप्रद रहेगी। फिजूलखर्ची से बचना चाहिए।

मकर भाइयों से खटपट हो सकती है। विद्यार्थियों को परिश्रम से अच्छे फल मिलने की उम्मीद है।

कुम्भ नए कार्यों में सफलता मिलने की पूर्ण संभावना बनती है। पारिवारिक संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मीन भाग्योदय के कारण लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। कामकाज, व्यवसाय ठीक चलेगा।

अनन्या पांडे आदित्य की बनेंगी दुल्हन

दीपावली पार्टी से लीक हुई तस्वीरों से सामने आई सच्चाई

दिपावली सीजन की धूम हर ओर है। सिर्फ आम जनता में ही नहीं बल्कि बॉसीवुड में भी इस सीजन को लेकर उत्साह देखने को मिलता है। पिछले दिनों आयुष्मान खुराना और कृति सेनन ने दिवाली पार्टी रखी थी, जिसमें इंडस्ट्री के लगभग सभी स्टार्स पहुंचे थे और खूब धूम धमाका किया था। लेकिन इंडस्ट्री के लोगों की मस्ती यहीं खत्म नहीं हुई। गुरुवार को मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने बिग फैट दिवाली पार्टी होस्ट की। पार्टी की शान बढ़ाने के लिए एक से बढ़कर एक सेलेब्रिटी पहुंचे। लेकिन सबकी निगाहें नए लव बर्ड्स पर पड़ी, जो हाथों में हाथ डाले पोज दे रहे थे। मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में कई सेलेब्रिटी पहुंचे। सुहाना खान, जाह्नवी कपूर, सारा अली खान, इबराहिम अली खान, समेत कई कई स्टार किड्स एक से बढ़कर एक आउटफिट्स पहनें पहुंचे। लेकिन इस पूरी पार्टी ने जिसका सबका ध्यान खींचा, वह थे आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे ने। दोनों ने साथ में पोज दिए। आदित्य और अनन्या का साथ में पोज देना, पैपराजी के लिए आई कैंडी मोमेंट था। कॉफी विद करण के चैट शो पर इन दोनों के अफेयर की चर्चा भी जोरों-शोरों भी थी। अब दिवाली पार्टी में एक साथ तस्वीर क्लिक कराकर इन दोनों ने इस रयूमर को हवा दी है। आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे की डेटिंग रयूमर्स के बीच फैंस ने उन्हें अदिया नाम दिया है। अदिया का मतलब आदित्य+अनन्या है। आदित्य रॉय कपूर इन दिनों खूब चर्चा में हैं। वजह उनकी फिल्म नहीं बल्कि शादी की चर्चा है।

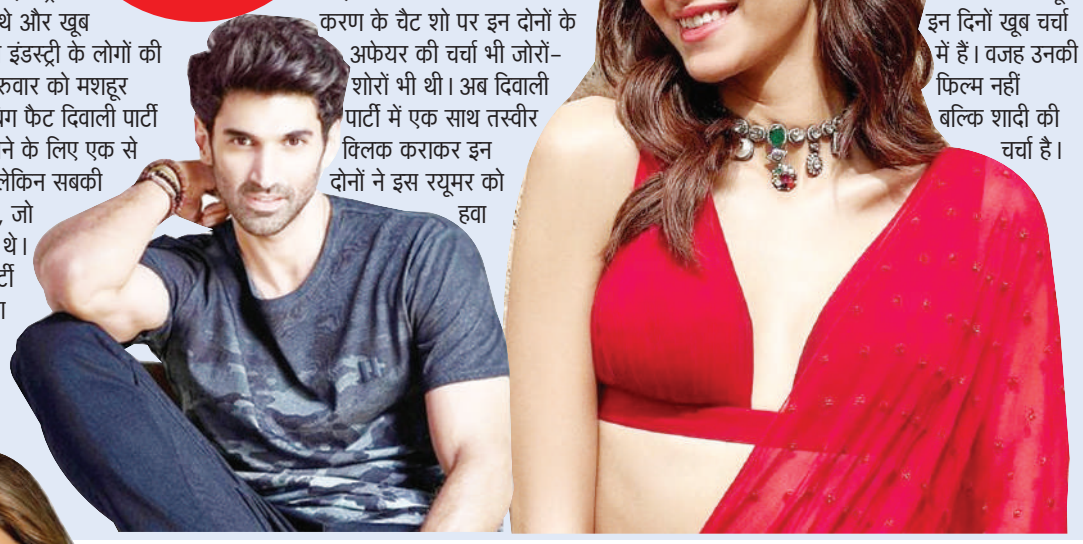

सिनेमा में मेरा सफर अधूरा होता अगर मुझे बिग बी के साथ काम करने का मौका नहीं मिलता: परिणीति

बॉलीवुड | **मसाला**

दिग्गज फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म ऊंचाई में अमिताभ बच्चन के साथ नजर आने वाली अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा का मानना है कि मेगास्टार के साथ काम करने पर उनका कहना है कि अगर उन्हें उनके साथ काम करने का मौका नहीं मिलता तो उनका सफर अधूरा रह जाता। परिणीति कहती हैं, यह आश्चर्यजनक है कि मुझे इस साल मिस्टर बच्चन के साथ काम करने का मौका मिल रहा है, जो कि उनका 80वां जन्म वर्ष है। यहां तक कि संभवत- सब कुछ हासिल करने के बाद भी, उन्हें सेट पर हर दिन आते देखना आश्चर्यजनक था। जैसे यह उनके करियर का पहला दिन था।

सिनेमा के लिए उनके पास समर्पण, ड्राइव और जुनून अतुलनीय है और यही उन्हें अलग करता है। वह एक संस्था है और मैंने अपने बकेट लिस्ट से उनके साथ काम किया है, धन्यवाद ऊंचाई! सिनेमा में मेरी यात्रा अधूरी होती अगर मुझे बच्चन सर के साथ काम करने का मौका नहीं मिलाता।

वह आगे कहती हैं, उंचाई के सेट पर मुझे उनके साथ बिताने का समय मेरे करियर के सबसे कीमती पलों में से एक है। बड़जात्या की ऊंचाई में परिणीति महान अमिताभ बच्चन और अनुपम खेर, बोमन ईरानी, डैनी डेन्जोंगपा, सारिका और नीना गुप्ता जैसे शानदार अभिनय के साथ नजर आएंगी। फिल्म 11 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

बॉलीवुड | **मन की बात**

ज्यादा से ज्यादा साउथ फिल्में करेंगे संजय दत्त

संजय दत्त पिछले कुछ समय से साउथ फिल्मों में काम कर रहे हैं। केजीएफ चैप्टर 2 से कन्नड़ इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद अब संजय फिल्म थलापति 67 से तमिल फिल्मों में डेब्यू करने जा रहे हैं। वहीं जल्द ही संजय की दूसरी कन्नड़ फिल्म केडी द डेविल रिलीज होने वाली है। हाल ही में फिल्म का हिंदी टाइटल टीजर रिलीज हुआ है। इसी फिल्म के इवेंट के दौरान संजय ने ने कहा कि वह ज्यादा से ज्यादा साउथ फिल्मों में काम करना चाहते हैं। मीडिया से बात करते हुए संजय ने कहा, मैंने केजीएफ और एस एस राजामौली सर के साथ काम किया है। मैंने देखा कि साउथ में बहुत पैशन, प्यार और एनर्जी के साथ फिल्में बनाई जा रही हैं। संजय ने कहा, मैंने केजीएफ में काम किया और अब मैं डायरेक्टर प्रेम के साथ केडी – द डेविल में काम कर रहा हूं। मुझे ऐसा लगता है कि अब मैं और साउथ इंडियन फिल्मों में काम करने वाला हूं। इवेंट के दौरान मीडिया ने फिल्म के डायरेक्टर प्रेम से पूछा गया कि ये फिल्म बाहुबली, आरआरआर और केजीएफ का रिकॉर्ड तोड़ पाएगी। इस पर एक्टर ध्रुव ने कहा कि मैं कोई फेक कमेंट नहीं करने वाला, लेकिन अगर दर्शकों को फिल्म पसंद आएगी तो ये फिल्म जरूर उनका रिकॉर्ड तोड़ेगी। इस फिल्म में ध्रुव सरजा लीड रोल में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 1970 के रियल लाइफ इंसिडेंट पर आधारित है। इवेंट में संजय ने बॉलीवुड को सलाह भी दी कि उन्हें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए। यही बात साउथ फिल्मों की ताकत बनी हुई है। एक्टर की हिंदी फिल्म की बात करें तो हाल में वह बॉलीवुड फिल्म शमशेरा में नजर आए थे। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला और फिल्म फ्लॉप हो गई थी। वहीं उनकी फिल्म पृथ्वीराज भी फ्लॉप हो गई थी।

बहन को जहरीले कीड़े ने काटा तो 10 साल लड़का बैठा धरने पर, गांव वाले कर रहे हैं तारीफ

देखन में छोटन लगे घाव करे गंभीर, ये कहावत आपने जरूर सुनी। आज हम जिस लड़के की बात करने जा रहे हैं वो इसी कहावत को चरितार्थ करता है। इन दिनों तेलंगाना में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले इस छात्र की हर तरफ चर्चा है। 10 साल के इस लड़के ने एक समस्या का समाधान करवाने लिए प्रशासन की नींद उड़ा दी। अपने गांव में नागरिक समस्याओं को हल करने के लिए वो धरने पर बैठ गया। अब गांव के लोग उनकी लगातार तारीफ कर रहे हैं। इस लड़के का नाम है केशव, वो तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले के मूल निवासी हैं। बुधवार को तड़के जब वो सड़क पर जॉगिंग कर रहे थे, तभी उसकी बड़ी बहन वेदश्री को एक जहरीले कीड़े ने काट लिया। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अस्पताल में अपनी बहन की हालत से आहत केशव ने उस स्थान पर धरना दिया, जहां वेदश्री को तड़के एक जहरीले कीड़े ने काट लिया था। 10 साल के लड़के का विरोध स्थानीय लोगों के बीच बहस का विषय बन गया है। वे संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में एक नागरिक समस्या लाकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने वाले लड़के की सराहना कर रहे हैं। बहुत कम उम्र में लड़के द्वारा किए गए विरोध पर अधिकारियों की प्रतिक्रिया का वे बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल अभी लड़के की मांग को लेकर अधिकारियों ने कोई कदम नहीं उठाया। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही मामला सुलझ जाएगा।

अजब-गजब | **दीपावली पर खुशियों की जगह शोक मनाते हैं लोग**

इस जगह दीपावली पर नहीं जलाए जाते दीये

दीपावली का पावन त्योहार आने में कुछ ही दिन शेष हैं। रोशनी का यह त्योहार पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। हिंदु धर्म में इस त्योहार का विशेष महत्व है। लोग कई दिनों पहले से ही दिवाली की तैयारियां शुरू कर देते हैं। लोग अपने घरों की साफ सफाई करते हैं और उसे पेंट कराते हैं। घर को सजाया जाता है। नए कपड़े, मिठाइयां और पटाखे खरीदे जाते हैं। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दिवाली के त्योहार का विशेष उत्साह रहता है। दिवाली के दिन घरों को दीयों से जगमग कर दिया जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि हमारे देश में ही एक जगह ऐसी भी है, जहां दिवाली नहीं मनाई जाती। यहां दिवाली के दिन लोग खुशियों के बजाय शोक मनाते हैं।

दीपावली के दिन जहां पूरा देश रोशनी के इस पर्व में जगमग करता है, वहीं उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक गांव ऐसा भी हैं, जहां दीपावली को शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यहां इस दिन किसी भी घर में कोई पूजा-अर्चना तो दूर घर में दीपक तक नहीं जलाता। हैरान करने वाली बात तो यह है कि यह परंपरा सालों से चली आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूपी के मिर्जापुर के मड़हिान तहसील के राजगढ़ इलाके के अटारी गांव में दिवाली को शोक दिवस के रूप में मनाते है। इस गांव के अलावा इसके आसपास बसे करीब आधा दर्जन गांव मटिहानी, लालपुर, मिशुनपुर, खोराडीह में दिवाली का त्योहार शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है। सभी गांवों में रहने वाले चौहान समाज की करीब आठ हजार की आबादी सैकड़ों साल से इस परंपरा को निभाती चली आ रही है। सैंकड़ों सालों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वाह आज भी यहां के लोग कर रहे हैं।

बताया जाता है कि इन गांवों में बसे चौहान समाज के लोग खुद को अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान का वशंज बताते हैं। ऐसे में इन लोगों का मानना है कि दिवाली के दिन ही मोहम्मद गौरी ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की हत्या की थी। इतना ही नहीं गौरी ने शव को गंधार में ले जाकर दफनाया भी था। इस वजह से लोग इस दिन अपने घरों में कोई रोशनी नहीं करते। इसी कारणवश समाज के लोग दीपावली के पर्व को शोक मनाते हैं। यहां लोग दिवाली की जगह देव दीपावली (एकादशी) के दिन खुशी-खुशी से पूजा-अर्चना कर घरों को रोशन करते हैं।

भाजपा से संपर्क वाले बयान पर भड़के नीतीश, बोले

पीके करते हैं बेकार की बात

» सियासी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के दावे को किया खारिज

» सभी जानते हैं कि पीके किसके लिए कर रहे काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर के उस दावे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश अभी भी भाजपा के संपर्क में हैं। नीतीश ने कहा कि प्रशांत किशोर बेकार की बातें करते रहते हैं।

प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि नीतीश कुमार भाजपा के संपर्क में हैं और अगर हालात बनें तो वह एक बार फिर भाजपा के साथ गठजोड़ कर सकते हैं। इसके जवाब में नीतीश ने कहा, मैं इस पर क्या कहूं। वे बेकार बात करते रहते हैं। वे इस तरह के बयान सिर्फ अपनी पब्लिसिटी के लिए देते हैं। हर कोई जानता है कि वे किस पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। पीके ने कहा था कि नीतीश कुमार ने जदयू सांसद और राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश के माध्यम से भाजपा के साथ संवाद का रास्ता खुला रखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा से नाता तोड़ने के बाद नीतीश को हरिवंश को पद छोड़ने के लिए कहना चाहिए था अगर वह इस पद पर बने रहते तो उन्हें भविष्य में जदयू से निष्कासित किया जा सकता था। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें जो कुछ कहना है कहने दें। हमारा उससे कोई लेना-देना नहीं है। पहले वे मेरे साथ काम करते थे। ये सच है कि कुछ ऐसे लोग हैं जिन्हें मैंने प्रमोट किया था, उन्होंने मुझे धोखा दिया।

निकाय चुनाव में ओबीसी के लिए सीटें आरक्षित

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में निकाय चुनाव हो सकते हैं, जिसमें सीटें अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित हैं। सीएम ने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है जहां सरकार ने अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की अनुमति दी है। हम पटना हाई कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हैं और प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू हो जाएगी। हाई कोर्ट ने चार अक्टूबर को राज्य के शहरी स्थानीय निकायों में अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए कोटा को अवैध घोषित किया था। अदालत ने राज्य सरकार की उस दलील पर सहमति व्यक्त की कि आरक्षण के साथ नए चुनाव की अनुमति दी गई है। इसी उद्देश्य के लिए एक आयोग भी गठित किया गया था।

कुछ दिन और जेल में रहना होगा देशमुख को

» महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री की जमानत अर्जी खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख द्वारा दायर जमानत याचिका शुक्रवार को विशेष अदालत ने खारिज कर दी। अनिल देशमुख पर लगे भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग मामले की जांच सीबीआई कर रही है। उन्होंने जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी।

देशमुख ने अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग मामले में जमानत मांगी थी। इससे पहले मुंबई हाई कोर्ट ने उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दी थी। विशेष सीबीआई अदालत के न्यायाधीश एस एच ग्वालानी ने जमानत याचिका पर दलीलों पर सुनवाई पूरी की। कोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता अनिल देशमुख को 2021 में 2 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव

कांग्रेस के पांच प्रत्याशियों की फर्जी सूची वायरल, होगी कार्रवाई

» नामांकन के लिए एक दिन पार्टी अभी तय नहीं कर पाई शेष पांच प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए सिर्फ एक दिन बचा है, लेकिन कांग्रेस शेष पांच प्रत्याशियों के नाम अभी तक तय नहीं कर पाई।

सोशल मीडिया पर शेष पांच प्रत्याशियों की फर्जी सूची शुक्रवार को वायरल हो गई। फर्जी सूची जारी करने वालों के खिलाफ पार्टी अब कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में हैं। नामांकन प्रक्रिया के पांचवें दिन प्रदेश भर में विभिन्न राजनीतिक दलों के 206 प्रत्याशियों ने पर्चे दाखिल किए। अभी तक प्रदेश में 255 नामांकन दर्ज हो चुके हैं। अब 22 से 24 अक्टूबर तक अवकाश रहेगा। 25 को नामांकन का आखिरी दिन है। 27 को नामांकन पत्रों की

छंटनी होगी। 29 अक्तूबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। कांग्रेस के सुखविंद्र सुक्खू, विक्रमादित्य, रघुवीर सिंह, राजेंद्र राणा, आशा कुमारी, अनिरुद्ध सिंह, सुधीर शर्मा, चंद्र कुमार, आशीष बुटेल व रामलाल ठाकुर ने परचा भरा। कांग्रेस प्रत्याशियों की फर्जी सूची में पांवटा साहिब से अवनीत लांबा, मनाली से हरी चंद शर्मा, किन्नौर से जगत सिंह नेगी, जयसिंहपुर से सुशील कौल और हमीरपुर से पुष्पेंद्र वर्मा का नाम था। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा ने सोशल मीडिया पर ही स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि शरारती तत्वों ने फर्जी सूची वायरल की है। पार्टी कानूनी कार्रवाई करेगी।

पंजाबी भाषा में 50 फीसदी से कम अंक तो नहीं मिलेगी नौकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पंजाब सिविल सर्विसेज (सेवाओं की आम और सांझी शर्तें) नियम-1994 के नियम-17 और पंजाब राज्य (ग्रुप-डी) सेवा नियम-1963 में संशोधन करने की मंजूरी दे दी है। इसके तहत पंजाब सरकार में **सरकारी नौकरियों में ऐसे उम्मीदवारों की ही नियुक्ति होगी जो पंजाबी भाषा की गहरी जानकारी रखते हों।**

पंजाब सिविल सर्विसेज (सेवाओं की आम और साझी शर्तें) नियम- 1994 के नियम 17 के मुताबिक की गई व्यवस्था के अनुसार तब तक ग्रुप-सी में किसी भी पद के लिए व्यक्ति नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक कि वह मैट्रिक स्तर के बराबर पंजाबी भाषा की योग्यता परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास नहीं करता। इसी तरह पंजाब राज्य (ग्रुप-डी) सेवा नियम- 1963 के नियम 5 की धारा डी में संशोधन करने को मंजूरी दे गई है।

टिकटों में फेरबदल के बाद डैमेज कंट्रोल को उतरे जयराम ठाकुर

» असंतुष्टों को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा भी मनाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कई असंतुष्ट नेताओं ने भी नामांकन किए हैं। इससे भाजपा की चिंता बढ़ गई है। भाजपा ने डैमेज कंट्रोल का जिम्मा मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को सौंपा है। जयराम ठाकुर ने भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह की उपस्थिति में शिमला स्थित पार्टी मुख्यालय दीप कमल से नाराज नेताओं के साथ फोन पर बात की। इनमें धर्मशाला से विशाल नैहरिया, करसोग से हीरालाल के अलावा कुछ अन्य नेताओं को मनाने में सफलता मिली है।

जयराम ठाकुर ने भाजपा में शामिल हुए पिछले चुनाव में निर्दलीय जीते होशियार सिंह से भी बात की। नालागढ़ से पूर्व विधायक केएल ठाकुर ने चुनाव लड़ने की बात कही है। मुख्यमंत्री से बात होने के बावजूद वह अपने फैसले पर कायम हैं। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी बिलासपुर आएंगे। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व हमीरपुर लोक सभा क्षेत्र के प्रवक्ता स्वदेश ठाकुर ने बताया कि 23 अक्टूबर को जेपी नड्डा बिलासपुर के सभी मंडलों व पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित 40 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है। इसमें मनोज तिवारी, संबित पात्रा और दुष्यंत कुमार गौतम भी शामिल हैं। भाजपा हाईकमान ने पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची के अनुसार केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, बीएल संतोष, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कश्यप, पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, पूर्व मुख्य मंत्री शांता कुमार आदि शामिल हैं।

गहलोत-पायलट की जल्द खुलेगी फाइल, खड़गे निकालेंगे हल!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए राजस्थान संकट को हल करना बड़ी चुनौती होगी। इस समय कांग्रेस के पास सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़, दो राज्य ही बचे हुए हैं। पिछले कुछ सालों में एक के बाद एक करके राज्यों में सरकारें जाती रहीं और यदि अब राजस्थान संकट को सही से हल नहीं किया गया तो कहीं ऐसा न हो कि वहां भी कांग्रेस सरकार मुश्किल में फंस जाए।

राजस्थान विवाद को मल्लिकार्जुन खड़गे जल्द से जल्द सुलझाना चाहेंगे क्योंकि अगले साल ही वहां विधान सभा चुनाव है। पार्टी किसी भी कीमत पर पंजाब की तरह की गलती दोहराना नहीं

करना चाहेगी ताकि यदि मुख्यमंत्री को बदला भी जाता है तो उसे समय न मिले। पिछले महीने संकट को हल करने के लिए खुद खड़गे अजय माकन के साथ राजस्थान गए थे, लेकिन गहलोत के करीबी विधायकों की बगावत के चलते एक लाइन का प्रस्ताव नहीं पारित करवा सके। इससे गांधी परिवार काफी नाराज भी हो गया, जिसके बाद गहलोत का कांग्रेस अध्यक्ष बनने का पत्ता तो कटा साथ ही उन्हें सोनिया गांधी से मिलकर माफी भी मांगनी पड़ी। खड़गे के सामने पायलट और गहलोत के बीच में सामांजस्य बैठाना बड़ी चुनौती होगी। माना जा रहा है कि गांधी परिवार की तरह खड़गे भी अशोक गहलोत की जगह मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सचिन पायलट को देना चाहेंगे। सूत्रों का कहना है कि यदि गहलोत को खड़गे सीएम पद से हटाते हैं तो फिर वह बगावत कर सकते हैं और सरकार को गिरा भी सकते हैं। वहीं, खड़गे के पार्टी अध्यक्ष बन जाने की वजह से गहलोत के केंद्रीय राजनीति में भी जाने की बहुत उम्मीद नहीं दिखती। इसके अलावा, खड़गे के पास विकल्प होगा कि विधायकों से एक लाइन का प्रस्ताव पारित करवाया जाए और पायलट को मुख्यमंत्री पद सौंप दिया जाए। यदि गहलोत और उनके समर्थक विधायक मान जाते हैं तो फिर पायलट का मुख्यमंत्री बनना तय हो जाएगा।

राजस्थान में पंजाब वाली गलती नहीं दोहराना चाहेगी कांग्रेस

अवैध निर्माणों पर कोर्ट नाराज, पूछा दागी अफसरों पर क्या एक्शन हुआ

» लखनऊ विकास प्राधिकरण से कार्रवाई की लिस्ट मांगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राजधानी में एलडीए के अफसरों की मिलीभगत से अवैध इमारतें बन जाने पर सख्त रूप अपनाया है। कोर्ट ने एलडीए से पूछा है कि ऐसे अफसरों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। कोर्ट ने की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगते हुए एलडीए से ऐसे अफसरों की सूची भी मांगी है।

मामले की अगली सुनवाई 9 नवंबर को होगी। यह आदेश चीफ जस्टिस राजेश बिंदल एवं जस्टिस जसप्रीत सिंह की पीठ ने रिटायर्ड लेप्टिनेंट कर्नल अशोक कुमार की ओर से 10 साल पहले दाखिल एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में शहर के अवैध निर्माणों का मुद्दा उठाया गया है। कहा गया है कि अवैध निर्माण के समय एलडीए के अफसर चुप्पी साधे रखते हैं और आंख बंद कर लेते हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि ऐसे दागी अफसरों के खिलाफ कभी कोई कार्रवाई नहीं होती है, जिससे उनके हौंसले बुलंद रहते हैं। एलडीए के वकील ने 2012 में ही बेंच को आश्वासन दिया था कि दागी अफसरों पर कार्यवाही की जा रही है। लेकिन पत्रावली के अवलोकन से पीठ ने शुक्रवार को पाया कि आज तक एलडीए ने कार्रवाई की कोई रिपोर्ट नहीं दाखिल किया है। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए अगली तारीख पर कृत कार्यवाही की रिपोर्ट तलब किया है। बता दें कि बीते दिनों अवैध निर्माणों पर की गयी कार्रवाई में कई अवैध बिल्डिंगों को सील कर दिया गया था जिसे खोलने के लिए लगातार आवेदन आ रहे हैं।

नक्शे के विपरीत निर्माण कार्य पर हो कार्रवाई

बेंच ने अपने आदेश में कहा कि एलडीए अफसरों की यह भी जिम्मेदारी है कि नक्शा पास होने के बाद भी वे यह देखें कि निर्माण उसके विपरीत नहीं होने पाए। कोर्ट ने ऐसे में एलडीए से रिपोर्ट मांगी है कि कितने निर्माण अवैध पाए गए हैं। कितने अवैध निर्माण के मामलों में समन किया गया है।

अवैध निर्माणों की सील खोलने को कमेटी गठित

अवैध निर्माणों के विरुद्ध की गई सीलिंग की कार्रवाई के बाद सील खोलने के लिए अब एलडीए की 4 सदस्यीय कमेटी फैसले करेगी। एलडीए उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने इस मामले को लेकर सचिव की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी में सचिव अध्यक्ष अपर सचिवग संबंधित जोन के विहित प्राधिकारी व चीफ टाउन प्लानर को सदस्य बनाया गया है।

गुजरात के डीजीपी व चीफ सेक्रेटरी तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग ने गुजरात के मुख्य सचिव और डीजीपी को तलब किया है। दरअसल आयोग के निर्देशानुसार राज्य में अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर रिपोर्ट जमा करानी थी जो नहीं हुई। इसके लिए ही आयोग ने आदेश दिया है कि ये रिपोर्ट तुरंत पेश की जाए। आयोग ने दोनों राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि गृह जिलाओं में कार्यरत और पिछले चार सालों में जो अधिकारी लगातार एक जिला में तीन साल तक रहे हैं उनका तबादला किया जाए।

विधानसभा चुनावों के पहले अधिकारियों की ट्रांसफर व पोस्टिंग को लेकर रिपोर्ट नहीं भेजने को लेकर चुनाव आयोग ने गुजरात सरकार के अधिकारियों को तलब किया है। चुनाव आयोग ने राज्य मुख्य सचिव व डीजीपी से इस पर जवाब मांगा है। सूत्रों के अनुसार अनेक रिमांडर के बावजूद मुख्य सचिव और डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस की ओर से कुछ वर्गों के अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर रिपोर्ट नहीं जमा कराई गई। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार इन्हें इस संदर्भ में रिपोर्ट तुरंत जमा कराने को कहा गया है साथ ही यह भी पूछा गया है कि समय पर रिपोर्ट को क्यों नहीं जमा कराया गया। अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर पत्रों को हिमाचल प्रदेश और गुजरात भेजा गया है। हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को मतदान है वहीं गुजरात के लिए तारीखों का ऐलान फिलहाल नहीं हुआ है।

गीता पर बयान देने वाले कांग्रेस नेता पर जमकर बरसीं रीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी की वरिष्ठ नेता और सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने अयोध्या में हनुमानगढ़ी व रामलला का दर्शन पूजन किया। इस दौरान वह कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल पर जमकर बरसी। नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि शिव राज पाटिल के बयान पर मुझे आश्चर्य हुआ है।

गीता एक अनन्य सत्य है और उस पर इस तरीके का बयान गीता का अपमान है। यह भारतीयों की आत्मा का अपमान है। शिवराज पाटिल को अपने शब्द वापस लेकर क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब मै पर्यटन मंत्री थी तब पहला दीपोत्सव हुआ था। मुख्यमंत्री ने धार्मिक स्थलों को उत्तर प्रदेश से आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री हमारे देश के धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण कर रहे हैं। वह अद्भुत है। सरयू के दर्शन से ही अयोध्या में उद्धार हो जाता है। प्रधानमंत्री के अयोध्या आगमन से हिंदू आस्था प्रसन्न है।

जयराम के गृह जिले में बीजेपी की टेंशन बढ़ाएंगे बागी

» टिकट बंटवारे से नाखुश नेताओं का निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में टिकटों के बंटवारे को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के गृह जिले मंडी में टिकट बंटवारे से नाखुश कई नेताओं ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की।

भाजपा ने इस बार अपने चार मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए हैं, जिनमें – जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर के अलावा विधायक हीरा लाल (करसोग), जवाहर ठाकुर (दारंग) और कर्नल इंदर सिंह (सरकाघाट) को टिकट नहीं दिया गया है।

टिकट न मिलने से निराश इन नेताओं में जल शक्ति मंत्री की बेटी वंदना गुलेरिया भी हैं, जिन्होंने टिकट बंटवारे पर खुलकर नाराजगी जताई है। पार्टी ने मंत्री के बेटे और वंदना गुलेरिया के भाई रजत ठाकुर को उनकी जगह धर्मपुर से चुनावी मैदान में उतारा है, जिसके बाद गुलेरिया को राज्य भारतीय महिला मोर्चा की महासचिव पद से इस्तीफा देना पड़ा है। गुलेरिया ने कहा कि वह मंगलवार को अपने भाई के खिलाफ निर्दलीय के तौर पर पर्चा दाखिल करेंगी। वंदना गुलेरिया ने कहा कि उन्होंने भाजपा की महिला इकाई के महासचिव पद से इस्तीफा दिया है न कि पार्टी से। भाजपा नेताओं द्वारा उन्हें मनाने और शांत करने के प्रयास के बारे में उन्होंने कहा कि अगले एक-दो दिन में सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। वहीं, करसोग और दारंग सीटों के बागियों ने भी भाजपा के मौजूदा विधायकों की मदद से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की है, जिन्हें टिकट नहीं दिया गया है। भाजपा के बागी चंदर मोहन, जिन्हें बीजेपी के मौजूदा विधायक कर्नल इंदर सुंग का समर्थन मिल रहा है, उन्होंने सरकाघाट से चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

आजम खां मामले में 27 अक्टूबर को आ सकता है फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भड़काऊ भाषण देने के मामले में सपा नेता आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमे में हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई। इस मामले में 27 अक्टूबर को कोर्ट का फैसला आ सकता है। आजम खां के खिलाफ 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मिलक कोतवाली क्षेत्र के खातानगरिया गांव में जनसभा को संबोधित किया था।

आरोप है कि उन्होंने भड़काऊ भाषण दिया था, जिससे दो वर्गों में नफरत फैल सकती थी, जिसका वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो अवलोकन टीम के प्रभारी अनिल कुमार चौहान की ओर से मामले की रिपोर्ट मिलक कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने विवेचना करते हुए चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए (मजिस्ट्रेट ट्रायल) निशांत मान की कोर्ट चल रही है।

निहत्थे वन सुरक्षा कर्मी, हथियारबंद वन माफिया

बहराइच के जंगलों में सक्रिय हैं भारत नेपाल सीमा के कई वन माफिया, जान पर खेल कर करते हैं सीमावर्ती जंगलों की सुरक्षा

अशोक उपाध्याय

बहराइच। वन प्रभाग बहराइच के तहत भारत नेपाल सीमा पर तीन जंगल रुपईडीहा, चकिया, अब्दुल्लागंज स्थित है। करीब 12000 हेक्टेयर में फैले इस जंगल का करीब 13 किलोमीटर उत्तरी छोर भारत-नेपाल सीमा से लगती हैं। इन जंगलों की बेशकीमती साल, शीशम, सागवान जैसी बेशकीमती वृक्षों जंगल में उत्पादित बेशकीमती जड़ी बूटी पर भारत और नेपाल के वन माफिया की नजर हमेशा रहती है।

यह वन माफिया मौका पाते ही बेशकीमती पेड़ों को काटकर उठा ले जाते हैं। माफिया इससे पहले जंगल में भ्रमणशील सुरक्षा कर्मियों की लोकेशन का आकलन कर लेते हैं। अक्सर वन माफिया जंगल में घुसकर बेशकीमती वृक्षों पर आरा और कुल्हाड़ी चलाने से नहीं चूकते। वन सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों के पास आज भी गिनती की गिनती की 3 नॉट 3 रायफले है। इनमें कुछ चालू हालत में है तो कुछ मिस फायर करती हैं। जबकि अधिकतर सुरक्षाकर्मी निहत्थे ही रहते हैं। उधर वन माफिया असलहे और धारदार हथियारों से लैस होकर जंगल में पेड़ों को काटने के लिए झुंड में घुसते हैं। ऐसे में वन सुरक्षा करना सुरक्षा कर्मियों के लिए जान जोखिम में डालना होता है। फिर भी सुरक्षाकर्मी वन माफिया से मोर्चा लेने से पीछे नहीं हटते। बहराइच वन विभाग के अनुसार अब्दुल्लागंज जंगल का क्षेत्रफल करीब 4500 हेक्टेयर वर्ग किलोमीटर, रुपईडीहा का 2500 हेक्टेयर वर्ग किलोमीटर, चकिया जंगल का 5500 हेक्टेयर वर्ग किलोमीटर है। सुरक्षा के नाम पर अब्दुल्लागंज में चार फॉरेस्टर 7 फॉरेस्ट गार्ड और 52 संविदा वाचर, रुपईडीहा 20 संविदा वाचर, चकिया में फॉरेस्ट फॉरेस्ट गार्ड के साथ 45 संविदा वाचर तैनात है।

अप्रशिक्षित हैं वन सुरक्षाकर्मी

वन प्रभाग बहराइच के सीमावर्ती तीनों जंगलों में तैनात फॉरेस्ट गार्ड और फॉरेस्टर को असलहा चलाने का प्रशिक्षण भी विभाग की ओर से नहीं दिया जाता है। जबकि प्रत्येक वर्ष इन वन कर्मियों को कुछ समय के लिए असलहे का प्रशिक्षण दिला देना चाहिए, जिससे जरूरत पड़ने पर जंगल की सुरक्षा के दौरान असलहों से लैस वन माफिया से मोर्चा ले सकें।

खुला आवागमन वन सुरक्षा में बाधा

भारत नेपाल के बीच खुली सीमा और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक एवं नैसर्गिक संबंध भी वन सुरक्षा में बाधा बनते हैं। मसलन सीमावर्ती इलाके में एक दूसरे देश में लोगों के रिश्ते हैं। ऐसे में आम नागरिक और वन माफियाओं की पहचान कर पाना वन सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों के लिए बेहद कठिन है। हालाकि एसएसबी और पुलिस बल की सक्रियता से अवैध वन कटान में आंशिक गिरावट आई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।